Part - 2

प्रश्न 16. घड़ी शीर्षक कथाक सारांश लिखू ।

उतर - प्रो0 रजनीकान्तक परिवार राजेन्द्र नगरक सड़क नम्बर - 30 मकान नम्बर - 143 मे एक सय बीस टाकाक महिनवारी किराया पर रहैत छथि । भूगोल विभागक अध्यापक छथि । ओ ओ आन सभ किछु बासामे रखने छलाह मुदा एकटा घड़ी नहि रखैत छलाह । किऐक रखताह ? जखने चन्द्रमा उगत तखन सात वा सवा सात ओ सभ बातमे मैथिली , मात्र घड़ीक बात पर मैथिल संस्कारसँ मुक्त छथि । जखन हुनकर निन्न टुटैत छनि तखने भोर होयत , तखने सात सवा सात बाजत ।

रजनीकान्त परिवारमे स्त्री चन्द्रमुखी आ पांच सन्तान - जया , विजया , विधा , राकेश आ चंद्रेश संगहि रजनीक विधवा मौसी उर्मिला देवी प्राइमरी स्कूलक मास्टरनी अधवयसू छनि । नौकर पंचा धानुक सेहो छनि । रजनीकान्तक परिवारमे ककरो कोनो दु:ख नहि कोनो अभाव नहि छैक । रजनी प्रयाप्त टाका - पैसा अनैत छथि यश - प्रतिष्ठा सेहो छनि । चन्द्रमुखी देवीकेँ आन कोनो दु: ख सन्ताप नहि , मुदा

एकटा संताप छनि जे घरमे एकटा ।टाइम पीस नहि छनि । एकटा घड़ी कीनब बड्ड जरूरी अछि । जया - विजया कैं रोज स्कूल जयबामे लेट भ ' जाइत छनि । रातिमे चन्द्रमुखी स्नेह आ लज्जामय वाणीमे रजनीकान्त तखन कोनो उतर नहि देलथिन ।

ओ अमजद मियाँ पच्चीस बिघा खेत आ सत बीघा खरहोड़क मालिक से बूढसन काज कयलक । जरैल गामक दरोगनी चूड़िहारिनक बेटी जहूरनी सँ निकाह । जहूरनीक अंग - अंग मे मैथिली सुन्दरता , कोमलता , माटिक गन्ध जहूरनीक एहि संबंधमे एकटा फकड़ा प्रसिध्द अछि ।

कन्ही घोड़ी लाल लगाम

कौआ भागे पाकै आम

बुढवा अपने छाती पीटय

पटपट - पटपट छती पीटय ।